MP Board Class 8th Sanskrit Notes Chapter 18 प्रियदर्शिनी इन्दिरा

प्रियदर्शिनी इन्दिरा हिन्दी अनुवाद

अस्माभिः प्रियदर्शिन्याः इन्दरायाः दर्शनमनेकधा कृतम्। कोटिजनैः तस्या ऊर्जस्वलानि भाषणानि श्रुतानि। सहस्रैः बालकैः तस्याः हस्ताभ्यां सस्नेहं प्रदत्ताः पुष्पमाला: गृहीता अतः दिवङ्गतापि सा देवी अस्माकं कृते वर्तमानेवास्ति।

तस्याः जन्म प्रयागनगरे १९१७ तमे ख्रिस्ताब्दे आनन्दभवनामके पैतृकगृहे अभवत्। जवाहरलाल नेहरुः तस्याः पिता कमलानेहरु च जननी अभवत्।

अनुवाद :
हम सबके द्वारा सुन्दर इन्दिरा का दर्शन कई बार किया गया। करोड़ों लोगों के द्वारा उनके तेजस्वी भाषणों को सुना गया। हजारों बालकों के द्वारा उनके हाथों से प्रेमपूर्वक दी गयी पुष्पमाला ली गई, इसलिए मरकर भी वह देवी हमारे लिए उपस्थित ही है।

उनका जन्म प्रयाग (इलाहाबाद) नगर में 1917 ईस्वी में
आनन्दभवन नामक पैतृक घर पर हुआ। जवाहरलाल
नेहरू उनके पिता और कमला नेहरू माता थीं।

इन्दिरायाः प्रारम्भिकी शिक्षा प्रयागे पूनानगरे चाभवत्। तेषु दिवसेषु आनन्दभवनं स्वतन्त्रतान्दोलनस्य केन्द्रमासीत्। सर्वे राष्ट्रियाः नेतारः तत्रागच्छन्। इन्दिरा तेभ्यः देशभक्तेः सङ्घर्षशीलतायाश्च संस्कारानगृह्णात्। प्राथमिकी शिक्षा समाप्य सा शान्तिनिकेतनमगच्छत्। तत्र गुरुदेवस्य रवीन्द्रनाथठाकुरस्य सान्निध्ये भारतीयसंस्कृतेः मानवप्रेम्णः च महतीं शिक्षाम् प्राप्नोत्। तस्याः उच्चशिक्षा इङ्ग्लैण्डदेशे आक्सफोर्डविश्वविद्यालये सम्पन्ना।

अनुवाद ;
इन्दिरा की प्रारम्भिक शिक्षा प्रयाग और पूना नगर में हुई। उन दिनों में आनन्दभवन स्वतन्त्रता आन्दोलन का केन्द्र था। सभी राष्ट्रीय नेता वहाँ आते थे। इन्दिरा ने उनसे देशभक्ति और संघर्षशीलता के संस्कारों को ग्रहण किया। प्राथमिक शिक्षा को समाप्त करके वह शान्ति निकेतन गयीं। वहाँ गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर के पास से भारतीय संस्कृति और मानव प्रेम की महान् शिक्षा प्राप्त की। उनकी उच्च शिक्षा इंग्लैण्ड देश में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में सम्पन्न हुई।

जवाहरलालनेहरुः बहुधा स्वतन्त्रतायै आन्दोलनं कुर्वन् कारागारमगच्छत्। कारागारात् सः इन्दिरायै अनेकपत्राणि प्रेषितवान्। एतानि पत्राणि 'पुत्र्याः कृते पितुः पत्राणि' इति नाम्ना पुस्तकरूपेण प्रसिद्धानि सन्ति। तेभ्यः ज्ञायते यत् नेहरुः स्वपुत्रीं विदुषीं दूरदर्शिनी ऊर्जस्वलां च द्रष्टुमैच्छत्।

अनुवाद :
जवाहरलाल नेहरू बहुत बार स्वतन्त्रता के लिए आन्दोलन करते हुए जेल गये। जेल से उन्होंने इन्दिरा के लिए अनेक पत्र भेजे। ये पत्र 'पुत्री के लिए पिता के पत्र' इस नाम से पुस्तक के रूप में प्रसिद्ध हैं। उनसे जाना जाता है कि नेहरू अपनी पुत्री को विदुषी, दूरदर्शिनी और तेजस्वी देखना चाहते थे।

इन्दिरायाः एते गुणाः प्रसिद्धाः सन्ति। स्वमातुः कमलानेहरुतः सत्यस्य शुद्धान्तःकरणस्य च शिक्षामलभत्। बाल्यकाले एव तया 'वानरसेना' इति नाम्नी बालकानां सङ्घटना कता। – तस्याः विवाहः फिरोजगान्धिना सहाभवत्। तौ दम्पती स्वाधीनतान्दोलने कारागारं गतवन्तौ। १९६० तमे खिस्ताब्दे तस्याः पतिः स्वर्गमगच्छत्।

अनुवाद :
इन्दिरा के ये गुण प्रसिद्ध है। अपनी माता कमला नेहरू से
सत्य और शुद्ध अन्त:करण (मन) की शिक्षा को प्राप्त
किया। बाल्यकाल में ही उनके द्वारा 'वानरसेना' नाम से बच्चों का संघटन किया गया।

उनका विवाह फिरोज गान्धी के साथ हुआ। वे दोनों पति-पत्नी स्वाधीनता के आन्दोलन में जेल गये। 1960 वीं ईस्वी में उनके पति (फिरोज गान्धी) स्वर्गवासी हो गये।

लालबहादुरशास्त्रिणः मृत्योरनतरं सा भारतस्य। 'प्रधानमन्त्री' अभवत्। तत्पदमङ्गीकृत्य सा देशसेवायां। सर्वभावेन संलग्ना जाता। अधिकोषाणां राष्ट्रियकरणम् भूतपूर्वराज्ञां विशिष्टाधिकाराणां समाप्तिः तेषां नैजधनदानस्य (प्रिवीपस) अन्तः भूमिसम्पत्योः सीमानिर्धारणं चेत्यादीनि कार्याणि तस्याः महत्त्वम् उद्भासयन्ति। बङ्ग्लादेशस्य मुक्तिसङ्ग्रामे भारतीयसेनां प्रेष्य तया अपूर्वसाहसे कृतम्। भारतस्य सहयोगेनैव बङ्ग्लादेशः स्वतन्त्रः जातः। सा जीवनपर्यन्तम् भारतस्य कल्याणाय निर्धानानामुत्थानाय च प्रयत्नमकरोत्। दरिद्रतामपनय इति तस्या उद्घोषणासीत्।

अनुवाद :
लालबहादुर शास्त्री की मृत्यु के बाद वह भारत की 'प्रधानमन्त्री' हुईं। उस पद को स्वीकार करके वह देश सेवा में पूर्णरूप से संलग्न हो गयीं। बैंकों का राष्ट्रीयकरण, भूतपूर्व राजाओं के विशिष्ट अधिकारों की समाप्ति, उनके अपने धन के दान का (प्रिवीपर्स) अन्त, भूमि और सम्पत्ति की सीमा का निर्धारण इत्यादि कार्य उनके महत्व को प्रकट करते हैं। बांग्लादेश की मुक्ति संग्राम में भारतीय सेना को भेजकर उनके द्वारा अपूर्व साहस किया गया। भारत के सहयोग से ही बांग्लादेश स्वतन्त्र हुआ। उन्होंने जीवन पर्यन्त भारत के कल्याण और निर्धनों के उत्थान के लिए प्रयत्न किया। दरिद्रता को दूर हटाओ' यह उनका नारा था।

१९८४ तमस्य ख्रिस्ताब्दस्य अक्टूबरमासे एकत्रिंशदिनाङ्के सा एकस्य स्वरक्षकस्यैव गोलिकाभिः वीरगतिम् प्राप्नोत्।

सर्वे जनाः तां 'शान्तिदूती' इति रूपेण श्रद्धया स्मरन्ति। तस्याः समाधिस्थलं शक्तिस्थलमिति नाम्ना प्रसिद्धमस्ति।

अनुवाद :
1984 वी ईस्वी की अक्टूबर महीने की इक्तीस दिनांक की वह अपने एक रक्षक की ही.गोलियों से वीरगति को प्राप्त हुईं।

सभी लोग उनको 'शान्तिदूती' के रूप में श्रद्धा से याद करते हैं। उनका समाधि स्थल 'शक्तिस्थल' नाम से प्रसिद्ध है।

शब्दार्थाः

अनेकधा = कई बार। अधिकोषः = बैंक। कोटिजनैः = करोड़ों लोगों के द्वारा। सान्निध्ये = पास में। उर्जस्वलानि = तेजस्वी/तेजपूर्ण। उद्भासयन्ति = प्रगट करते हैं। सर्वभावेन = पूर्णरूप से। अपनय = दूर करो/हटाओ। अङ्गीकृत्य = स्वीकार करके। अवहन् ले जाते थे। अतीताः= भूतकाल की। उद्घोषणा = नारा।

https://www.evidyarthi.in/